B.Com Part - II Semester (1) MJC

Business Organisation and Managment -

Q:- वैज्ञानिक प्रबंध के गुण या लाभ या महत्व

Ans - वैज्ञानिक प्रबंध के निम्नलिखित लाभ है —

(1) उत्पादन व्यय में कमी — वैज्ञानिक प्रबंध का मुख्य उद्देश्य अपव्यय को रोककर उत्पादन व्यय में कमी करना है। इससे कारखानों में मितव्ययिता आती है, जो कि औद्योगिक सफलता की कुंजी है।

(2) वस्तु की किस्म में सुधार — उचित निरीक्षण तथा प्रमापीकरण की योजना के लागू होने से वस्तु की किस्म में सुधार होता है। प्रमाणित वस्तुओं का उत्पादन होने लगता है।

(3) श्रम विभाजन के लाभ — वैज्ञानिक प्रबंध में श्रम विभाजन से सूक्ष्मत क्रियाओं में होने वाले अनेक लाभ निर्माता को मिलते है।

(4) श्रमिको से अधिकतम कार्य लिया जाना — वैज्ञानिक प्रबंध के अन्तर्गत ऐसी नवीन युक्तियों का प्रयोग किया जाता है, जिससे कि श्रमिको से अधिक कार्य लेना सम्भव हो पाता है।

(5) न्यूनतम श्रम परिव्यय — श्रमिको के कार्यक्षमता में वृद्धि हो जाने से काम अधिक होने लगता है तथा वस्तुओं का अपव्यय भी कम हो जाता है।

(6) पूर्ण निरीक्षण — इनके द्वारा निर्माता उद्योग के समस्त सूक्ष्म से सूक्ष्म तत्वों का पूर्ण नियंत्रण करने में सफल हो जाता है। अतः किसी भी कार्य में किसी प्रकार की अड़चन नहीं रहती है।

(7) वेतन में वृद्धि — श्रमिको की कार्यक्षमता बढ़ जाने के कारण उनके वेतन में वृद्धि होती है तथा समय-समय पर श्रमिको को बोनस भी दिया जाता है।

(8) स्वास्थ्य एवं शांतिपूर्ण वातावरण — इसके अन्तर्गत श्रमिको को मानसिक शांति मिलती है। और वे अधिक कुशलता से कार्य करने लगते है।

classmate Date ____ Page ____

(9) कार्यक्षमता में वृद्धि — श्रमिकों में कार्य का उचित एवं रुचि के अनुसार वितरण और एक ही कार्य करते-करते उनकी कार्यक्षमता में दिन-दूनी और रात-चौगुनी वृद्धि हो जाती है।

(10) समय की बचत — काम का समय कम हो जाता है। क्योंकि वैज्ञानिक ढंग से काम करने से मानव कम समय में अधिक कार्य कर लेता है।

(11) उच्च जीवन-स्तर — श्रमिकों के जीवन-स्तर में उन्नति होती है। शराबखोरी, जुआ इत्यादि बुरी आदतों का विनाश हो जाता है। कारखाने के अन्दर तथा बाहर तथा बाहर अनेक सुविधायें उपलब्ध हो जाती है।

(12) राष्ट्र की आय में वृद्धि — बड़े पैमाने पर उत्पादन होने से देश के उद्योगों व व्यवसाय का विकास होता है। फलतः राष्ट्र आर्थिक दृष्टि से समृद्धशाली बन जाता है।

(13) उपभोक्ताओं को लाभ — वैज्ञानिक प्रबंध लागू हो जाने से उपभोक्ताओं को अनेक लाभ पहुँचते हैं जैसे माल की किस्म में सुधार होना तथा सस्ता, सुन्दर व टिकाऊ माल का मिलना। उनके रहन-सहन का स्तर ऊँचा होता है।

(14) पूर्ण औद्योगिक शांति — जिस देश में श्रम व पूँजी का संघर्ष होता है वह देश कभी भी प्रगति नहीं कर सकता है। वैज्ञानिक प्रबंध के लागू हो जाने से पूर्ण औद्योगिक शान्ति स्थापित हो जाती है क्योंकि इससे श्रमिकों, नियोक्ताओं, उपभोक्ताओं अर्थात सभी वर्गों का लाभ पहुँचता है। इस प्रकार शान्ति स्थापित हो जाने से समाज व राष्ट्र का संगठन मनमाने ढंग पर न होकर वैज्ञानिक ढंग पर होता है।

5) सामाजिक स्तर में वृद्धि — जैसे-जैसे उत्पादन का आकार बढ़ता जाता है वैसे वैसे देश की आय भी बढ़ती जाती है। क्योंकि एक ओर तो उद्योग व व्यवसाय का विस्तार हो जाने से अधिक काम प्राप्त होगा तथा दूसरी ओर जनता का जीवन स्तर ऊँचा हो जाने के कारण उसकी आयकर देने की सामर्थ्य अधिक हो जायेगी। थामसन (Thompson) के अनुसार "वैज्ञानिक प्रबंध के आधार पर चलने वाले कारखानों से लाभ दिलाकर, जो लाभ पर चल रहे थे उनका लाभ बढ़ाया तथा इस बात के पर्याप्त प्रमाण है कि इसका समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा।"

X ———— X ———— X

Dr. Raj Kumar Prasad
Associate Professer
Deptt. of Commerce
Shershah College
SASARAM